Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date:-

DO-Next class

Aspect of Mind

उपाहं, अहं एवं पराहं का तुलनात्मक अध्ययन

(A comparative Study of Id, Ego and Super Ego)

फ्रायड के अनुसार एक स्वस्थ्य सामान्य व्यक्ति में उपाहं (id) अहं (Ego) तथा पराहं (Super Ego) काफी समन्वित ढंग से कार्य करता है तथा इसमें किसी प्रकार का संघर्ष नहीं होता है। ऐसे व्यक्तियों का अहं (ego) काफी शक्तिशाली (powerful) होता है। उपाहं (id), अहं (ego) तथा पराहं (Super Ego) की विशेषताओं पर ध्यान देने से स्पष्ट हो जाता है कि इनमे कुछ समानताएं (similarities) है तथा कुछ विषमताएं (dissimilarities) है। उसकी प्रमुख समानताएं (similarities) है निम्नांकित है।

(i) उपाहं (id), अहं (ego), एवं पराहं (Super Ego) तीनों ही मन के गत्यात्मक पहलु के काल्पनिक भाग (Imaginary parts) है जिन्हें अन्य वस्तुओं के समान ठोस रूप से दिखलाया नहीं जा सकता है।

(ii) किसी भी मानसिक संघर्ष में उपाहं (id), अहं (Ego) तथा पराहं (Super Ego) तीनो ही ~~मन के गत्यात्मक पहलु के~~ शामिल रहते हैं। अन्तर सिर्फ मात्रा (degree) का होता है। आक्रमकता एवं कामुक प्रवृत्तियों से संबंधित मानसिक संघर्ष मे उपाहं का आवद्धन (involvement) अधिक होता है परन्तु नैतिकता से संबंधित मानसिक संघर्ष मे पराहं (Super Ego) का आवद्धन (involvement) अधिक होता है। अहं (Ego) को तो दोनों ही तरह के संघर्ष मे समान रूप से जुझना पड़ता है।

Scanned with CamScanner

इन समानताओं के बावजूद भी इन तीनों में कुछ विषमताएं है।

(i) उपाहं (id) बच्चों में जन्म से ही मौजूद रहता है। 1-2 वर्ष के बाद बच्चों में अहं (Ego) का विकास होता है और जब बच्चा 3-4 वर्ष का हो जाता है तब वह तादात्म्य (identification) अपने माता पिता के साथ स्थापित कर लेता है तथा उनके उपदेशों को ग्रहण करने लगता है जिससे उसमें पराहं (Super Ego) का विकास होने लगता है। अतः कालक्रमिक (chronological) ख्याल से उपाहं, अहं एवं पराहं का अन्तर वही है जो क्रमशः एक बड़ा भाई, मझला एवं छोटा भाई का होता है।

(ii) उपाहं (id), 'आनन्द सिद्धान्त' (pleasure principle) द्वारा नियंत्रित होता है, अहं (Ego) 'वास्तविकता सिद्धांत' (Reality principle) से नियंत्रित होता है तथा पराहं (Super ego) 'आदर्शवादी सिद्धान्त' (idealistic principle) से नियंत्रित होता है।

(iii) उपाहं (id) तथा पराहं (Super Ego) को बाह्य वातावरण की वास्तविकता (Reality) से कोई मतलब नहीं होता है जबकि अहं (Ego) का बाह्य वातावरण की वास्तविकता (Reality) से सीधा संबंध होता है।

(iv) उपाहं (id) पूर्णतः (wholly) अचेतन (unconscious) होता है, परन्तु अहं (ego) तथा पराहं (Super Ego) दोनों ही अंशतः चेतन, अंशतः अर्धचेतन (Subconscious) तथा अंशतः अचेतन (unconscious) होते हैं

(v) अहं (ego) एक समायोजक (adjustor) के रूप में कार्य करता है जबकि उपाहं (id) की प्रवृत्तियां तथा पराहं (Super Ego) की प्रवृत्तियां परस्पर विरोधी होती है और अहं (ego) को अपनी अपनी ओर खींचने में व्यस्त रहती है।

स्पष्ट है कि समान होते हुए भी उपाहं, अहं और पराहं में भिन्नता है।

End